

साधो भाई देखो न नजर पसार
या काया तन में रेल चल

गाड़ी चलती है इंजन से
इसमे सात जगह पाणी के बल से
टिणों की एक कल से
धुआं निकले बे तो शुमार
या अग्नि आठुं पहर जलै (1)

पांच टिकट काटणिया
पच्चीस टिकट बाँटणिया
तीन रेल रोकणिया
इसमे चेतन सुरता है असवार
या गाड़ी जद पेण्ड धरै (2)

नो सौ कील जोड़न की
नवासी कील मोड़न की
पिच्यासी कील दोड़ण की
जिसमे ऐसा नही रे हथियार
मांग्याँ कोनी मौल मिलै (3)

शिवलाल भजन बनाया ताजा
इसमे रख दिया दस दरवाजा
दो पहिये छत्तिसुं बाजा
एक दिन निकले डलेवर बाहर
या गाड़ी कोनी पेंड धरे (4)